शनिवार
11 जून 2022

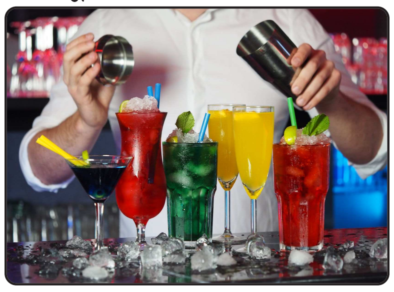

पृष्ठ 4

पाचन को दुरुस्त रखने में सहायक हैं ये पेय, रोजाना करें सीमित मात्रा में सेवन

पृष्ठ 5

500 करोड़ रुपये में बनेगी फिल्म आदिपुरुष!

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 129
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं।
– लोकमान्य तिलक

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आईएएस अधिकारी के ठिकानों पर दून से लखनऊ तक छापेमारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कृषि विभाग में अपर सचिव के पद पर तैनात आईएएस अधिकारी रामविलास यादव पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में अब शिकंजा कसना शुरू हो गया है। विजिलेंस की टीम ने आज राजधानी दून से लेकर लखनऊ तक उनके सात स्थानों पर छापेमारी की है।

उत्तर प्रदेश से 2019 में उत्तराखंड आए आईएएस अधिकारी रामविलास यादव पर उत्तर प्रदेश में कार्यरत रहने के दौरान से ही अनेक भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। लखनऊ विकास प्राधिकरण में सचिव पद पर तैनात रहे रामविलास यादव को सपा का करीबी माना जाता है। उन पर आय से 500 गुना संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। उनके खिलाफ 9 जनवरी 2019 को विजिलेंस जांच के आदेश दिए गए थे। लेकिन कई बार बुलाए जाने के बाद भी वह विजिलेंस के सामने पेश नहीं हुए इसके बाद जांच के लिए एक तीन सदस्य पावर कमेटी का

●सूबे में कृषि अपर सचिव हैं रामविलास यादव
●आय से 500 गुना संपत्ति जुटाने का आरोप
●30 को रिटायर होने से पूर्व विजिलेंस की कार्रवाई

गठन किया गया लेकिन रामविलास ने कमेटी को भी गुमराह किया। 19 अप्रैल को उनके खिलाफ आखिरकार मुकदमा दर्ज कराया गया। रामविलास यादव उत्तराखंड में समाज कल्याण विभाग के सचिव जैसे अहम पद पर भी रह चुके हैं इस दौरान भी उन पर एक निजी कॉलेज को करोड़ों रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाने का मामला सामने आया था।

रामविलास यादव इसी साल 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अपनी सेवानिवृत्ति तक वह भ्रष्टाचार के इन मामलों से बचने का प्रयास करते रहे हैं वर्तमान समय में वह 15 दिनों का अवकाश लेकर गए हुए थे। फिलहाल वह कहां है इसका किसी को पता नहीं है।

रामविलास यादव को अपने खिलाफ होने वाली कार्रवाई का अनुमान था इसलिए वह छुट्टी लेकर फरार है ऐसा कहा जाता है। विजिलेंस की टीम द्वारा आज उनके दून स्थित घर पर छापेमारी की गई है। वही उनके लखनऊ, गाजियाबाद, गाजीपुर पैतृक आवास सहित सात स्थानों पर विजिलेंस टीम द्वारा छापे मारे गए हैं। समाचार लिखे जाने तक छापेमारी की कार्रवाई जारी थी तथा यह पता नहीं चल सका है कि छापेमारी में क्या कुछ मिला है। लेकिन रिटायरमेंट से पूर्व की गई छापेमारी ने उनकी मुश्किलें जरूर बढ़ा दी है।

सीएम धामी ने किया पीएम आवास योजना के घरों का शिलान्यास

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हरिद्वार के रोशनाबाद क्षेत्र में गांव हेतमपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाने वाले आवासों का शिलान्यास किया तथा लाभार्थियों को बधाई दी।

❑पीएम मोदी ने किया उत्तराखंड का विकास

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 8 साल के कार्यकाल में गरीबों के कल्याण के लिए जो काम किए उनका लाभ समान रूप से सभी को मिल रहा है। गरीबों को घर से लेकर मुफ्त राशन, रसोई गैस, पेयजल और शौचालय सहित जो कुछ बीते 8 साल में मिला है वह 60 सालों में नहीं मिला था।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से प्रधानमंत्री मोदी का जो लगाव रहा है वह किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने उत्तराखंड के विकास के लिए जो किया है उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती है। राज्य में आज जो बेहतर सड़कें हम देख रहे हैं वह केंद्र सरकार के सहयोग से बनी है। आपदा के बाद केदारपुरी के पुनर्निर्माण, बद्रीनाथ धाम में हो रहे विकास कार्यों से लेकर राज्य में मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के निर्माण से जन स्वास्थ्य सेवाओं में भारी सुधार हुआ है। राज्य में आज जो बेहतर कनेक्टिविटी हम देख रहे हैं वह सब कुछ केंद्र की मोदी सरकार की ही देन है।

उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए अगर किसी ने कुछ सोचा तो वह मोदी ने ही सोचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए बेघर और गरीबों को पक्के मकान मिल रहे हैं। 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2022 के अंत तक सभी को घर देने का लक्ष्य है। राज्य में 2466 आवासों का

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर टाइम्स स्क्वायर पर आयोजित कार्यक्रम में स्वामी अवधेशानंद होंगे मुख्य अतिथि

हरिद्वार। अमेरिका न्यूयार्क में २१ जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में इस बार जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि मुख्य अतिथि होंगे।

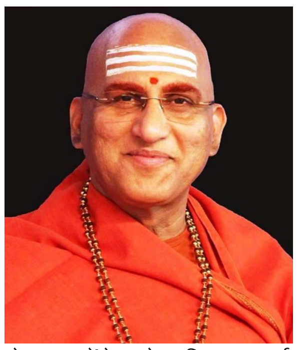

योग दिवस पर योग प्रदर्शन का विशाल कार्यक्रम टाइम्स स्कवायर पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडेन और यूएनओ के महासचिव एंटोनिओ गुटेरस के भी शामिल होने की उम्मीद है। न्यूयार्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास और प्रवासी भारतीय भी इस कार्यक्रम की तैयारियों मे लगे हुए हैं। स्वामी अवधेशानंद गिरि १४ जून को अमेरिका पंहुचेंगे। १४ जून से वह वहां अनेक कार्यक्रमों मे भाग लेंगे। योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारतीय वाणिज्य दूतावास कई तरह के कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रहा है। स्वामी अवधेशानंद गिरि के योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम को लेकर न्यूयार्क के भारतीयों में बेहद उत्साह है। टाइम्स स्क्वायार पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में स्वामी अवधेशानंद गिरि योग के साथ भारतीय संस्कृति, जीवनमूल्यों, विश्वबंधुत्व और भारतीय लोकोपकारी दर्शन पर व्याख्यान देंगे।

चिंताजनकः देश में कोविड-19 के 8,329 नए मामले सामने आए, 10 और मरीजों की मौत

नई दिल्ली । देश में १०३ दिन बाद कोविड–१६ के एक दिन में ८,००० से ज्यादा नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या ४,३२,१३,४३५ पर पहुंच गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर ४०,३७० हो गयी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवर सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के ८,३२६ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, १० और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२४,७५७ हो गई है। इसके अलावा देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ४०,३७० हो गई है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या

में ४,१०३ की वृद्धि हुई है और यह संक्रमण के कुल मामलों का ०.०६ प्रतिशत है जबकि कोविड–१६ से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.६६ प्रतिशत है।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का ०.०६ प्रतिशत है जबकि कोविड–१६ से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.६६ फीसदी दर्ज की गयी।

आंकड़ों के अनुसार, बीते २४ घंटे में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ४,१०३ मामलों की वृद्धि दर्ज की गयी। संक्रमण की दैनिक दर २.४१ प्रतिशत दर्ज की गयी और साप्ताहिक संक्रमण दर १.७५ प्रतिशत रही। इस बीमारी से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर ४,२६,४८,३०८ हो गयी है जबकि मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत है।

देश में पिछले २४ घंटे में ४,२१६ लोग महामारी से ठीक हो चुकें हैं और अब तक कुल ४,२६,४८,३०८ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं,। वहीं, देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक लोगों को १६४.६२ करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

अराजकता के पीछे कौन?

अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार सभी को है बीते कल एक समुदाय विशेष के लोगों ने जो प्रदर्शन किया उसे अनुचित नहीं ठहराया जा सकता है लेकिन इस प्रदर्शन की आड़ में जो उपद्रव किया गया और अराजकता फैलाने का प्रयास किया उसकी इजाजत किसी को भी नहीं दी जा सकती है। संगठित रूप से कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक दर्जनभर राज्यों में जिस तरह जुमे की नमाज के बाद लोगों ने प्रदर्शन विरोध के नाम पर पत्थरबाजी की, तोड़फोड़ की और आगजनी की वह बड़ा अपराध है। यही कारण है कि अब शासन-प्रशासन द्वारा इन उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। गनीमत यह रही कि पुलिस प्रशासन और शासन को अपने सूत्रों से पहले ही आउटपुट मिल चुके थे कि गड़बड़ी हो सकती है जिसके मद्देनजर शासन-प्रशासन अलर्ट पर था इस सतर्कता का ही परिणाम है कि इस बड़े षड्यंत्र के दुष्परिणाम लगभग शुन्य रहे। पुलिस प्रशासन ने कहीं भी उग्रता नहीं दिखाई और समझाने बुझाने के प्रयास को ही प्राथमिकता दी गई इसके लिए वह साधुवाद के पात्र हैं। लेकिन जितने व्यापक स्तर पर तथा सामान पैटर्न और तय समय पर इस उपद्रव को अंजाम दिया गया, महिलाओं और बच्चों को ढाल बनाकर इस्तेमाल किया गया, उनके हाथों में पत्थर थमाए गए सब कुछ उस सुनियोजित षड्यंत्र की तरफ ही इशारा करता है जिसका मकसद देश में अराजकता फैलाना था। इस उपद्रव के पीछे कौन लोग हैं? उन तक पहुंचना बहुत जरूरी है। मुस्लिम धर्मगुरुओं और उलेमाओं ने इसके पीछे ओवैसी की पार्टी और उनके लोगों तथा कुछ वामपंथियों का हाथ होने की आशंका जताई है। इतनी बड़ी ता वारदात स्वस्फूर्त नहीं हो सकती थी। यह पत्थर कहां से आए, सभी जगह एक जैसे पोस्टर कहां से आए? अनेक सवाल हैं जो इस घटना को सुनियोजित षड्यंत्र होने की ओर इशारा करते हैं। उत्तर प्रदेश इस घटना के केंद्र में था जिसके दर्जन भर से अधिक शहरों में बवाल हुआ यहां अब तक सवा दो सौ से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी है। सीएम योगी जिन्हे अब सभी बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं वह किसी भी उपद्रवी को बख्शने वाले नहीं हैं। इसलिए दोषियों पर कार्रवाई होनी तय है वह भी ऐसी सख्त कि उनके आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगीं। लेकिन सवाल यह है कि नूपुर शर्मा के इस बयान को लेकर यह सब हो रहा है उसके लिए जब वह माफी मांग चुकी है पार्टी उन्हें बर्खास्त कर चुकी है तब क्या यह मुद्दा इतना उछाला जाना चाहिए? इसके पीछे जो ताकतें काम कर रही हैं वह देश व राष्ट्र विरोधी हैं। जो देश में अराजकता फैला कर राजनीतिक अस्थिरता फैलाना चाहते हैं। शासन प्रशासन को ऐसी ताकतों से सावधान रहने की जरूरत है।

कहीं गुजरात, झारखंड न दोहराया जाए

भारतीय जनता पार्टी ने संख्या नहीं होने के बावजूद महाराष्ट्र में राज्यसभा के लिए तीसरा उम्मीदवार उतार दिया है और राजस्थान व हरियाणा में निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन दिया है। भाजपा ने महाराष्ट्र में तीसरे उम्मीदवार के रूप में धनंजय महाडिक को उतारा है। राजस्थान में उसने निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चंद्रा को समर्थन दिया है और हरियाणा में कार्तिकेय शर्मा को समर्थन दिया है। राजस्थान में सुभाष चंद्रा का मुकाबला कांग्रेस के प्रमोद तिवारी से होगा और हरियाणा में कार्तिकेय शर्मा अपने करीबी रिश्तेदार अजय माकन से भिड़ेंगे। ये तीनों चुनाव कांटे की लड़ाई वाले हैं और राज्यसभा में कांटे की लड़ाई भाजपा नहीं जीत पाती है। इसकी दो मिसालें हैं, जो निश्चित रूप से भाजपा को ध्यान में होगी। भाजपा ने पांच साल पहले 2017 में गुजरात में अहमद पटेल को हराने के लिए जी-तोड़ कोशिश की थी। भाजपा की कोशिशों से परेशान कांग्रेस ने अपने विधायक कर्नाटक में छिपाए थे। भाजपा की तमाम कोशिश के बावजूद अहमद पटेल जीत गए थे। इसी तरह झारखंड में 2018 में भाजपा के प्रदीप सोंथालिया कांग्रेस के धीरज साहू से चुनाव हार गए थे। वह राज्यसभा चुनाव के इतिहास की सबसे कम अंतर की हार है। भाजपा उम्मीदवार ०.१० वोट से हारे थे। यह भी संयोग है कि दोनों राज्यों में जब भाजपा हारी तो केंद्र व राज्य दोनों जगह उसकी ही सरकार थी। कांटे की लड़ाई में भाजपा के हारने की पहली मिसाल 2017 के चुनाव की है, जब तीन सीटों के लिए चुनाव हुए थे और भाजपा ने तीनों सीटों पर उम्मीदवार उतार दिया था। अमित शाह और स्मृति ईरानी के अलावा भाजपा ने बलवंत सिंह राजपूत को तीसरा उम्मीदवार बनाया था। अमित शाह खुद चुनाव की कमान संभाले हुए थे। चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस के छह विधायकों ने पार्टी छोड़ दी थी। उसके बाद कांग्रेस ने अपने विधायकों को बेंगलुरू के एक रिसॉर्ट में डीके शिवकुमार की देख-रेख में छिपाया था। चुनाव के दिन उनको गुजरात लाया गया और बड़े नाटकीय अंदाज में चुनाव हुआ। आधी रात तक नतीजे लंबित रहे। अंत में अहमद पटेल एक वोट से भी कम के अंतर से जीते। रात एक बजे के बाद नतीजे घोषित हुए और अहमद पटेल ने सत्यमेव जयते का ट्विट किया। इसी तरह का नाटकीय घटनाक्रम 2018 में झारखंड में हुआ था। दो सीटों के चुनाव में भाजपा ने दोनों सीटों पर उम्मीदवार दे दिया था। भाजपा के पहले उम्मीदवार समीर उरांव आसानी से जीत गए। लेकिन दूसरे उम्मीदवार प्रदीप सोंथालिया की कांग्रेस उम्मीदवार धीरज साहू के साथ कांटे की टक्कर हुई। वहां भी आधी रात तक चले ड्रामे के बाद ०.१० वोट के अंतर से धीरज साहू जीत गए। बाद में हाई कोर्ट ने भी उनके पक्ष में फैसला दिया और सुप्रीम कोर्ट ने भी भाजपा उम्मीदवार को राहत नहीं दी। भाजपा को महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा में अतिरिक्त सीट जीतने के लिए गुजरात व झारखंड का अनुभव याद रखना होगा।(आरएनएस)

विनाशकारी है, जातीय-जनगणना

वेद प्रताप वैदिक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीशकुमार एक सर्वदलीय बैठक बुला रहे हैं, जो बिहार में जातीय जनगणना की रुप-रेखा तय करेगी। पहले भाजपा इसका विरोध कर रही थी, अब वह भी इस बैठक में शामिल होगी। नीतीश इस सवाल पर दो बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल चुके हैं। जहां तक मोदी का सवाल है, वह जातीय जनगणना के पक्के विरोधी हैं। जब 2010 में जातीय जनगणना के विरुद्ध मैंने दिल्ली में जन-अभियान शुरु किया तो गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर मोदी ने मुझे कई बार फोन किया और हमारे आंदोलन को अपने खुले समर्थन का एलान किया।

उस आंदोलन में कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के अनेक बड़े नेता भी सक्रिय भूमिका अदा करते रहे। सोनिया गांधी ने न्यूयार्क से लौटते ही पहल की और च्मेरी जाति हिंदुस्तानीज् के आग्रह पर जातीय जनगणना रुकवा दी। मनमोहनसिंह की कांग्रेस सरकार ने उन आंकड़ों को प्रकाशित भी नहीं होने दिया, जो हमारे आंदोलन के पहले इक- हो गए थे। मुझे खुशी है कि नरेंद्र मोदी ने भी अपने प्रधानमंत्री काल में उसी नीति को चलाए रखा।

अब नीतीश जो पहल कर रहे हैं, वह बिहार के लिए नहीं, सारे देश के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकती है। वैसे नेताओं में नीतीश मेरे प्रिय हैं। उन्होंने रेल मंत्री रहते हुए हिंदी के लिए और बिहार में शराबबंदी के लिए मेरे कई सुझावों को तुरंत लागू किया है लेकिन यदि जातीय जनगणना उन्होंने बिहार में करवा दी तो यह बीमारी सारे भारत में फैल जाएगी। कर्नाटक और तमिलनाडु में उसकी असफल कोशिश हो चुकी है। अब छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र की सरकारें भी इसे अपने यहां करवाना चाहती हैं।

यदि सभी प्रांतों में जातीय जन-गणना होने लगी तो भारत की एकता के लिए यह विनाशकारी सिद्ध होगी। जातीय अलगाव मजहबी अलगाव से भी अधिक जहरीला है। 1947 में भारत के सिर्फदो टुकड़े हुए थे, अब भारत हजारों-लाखों टुकड़ों में बंट जाएगा। पिछली जनगणना में 46 लाख जातियों और उप-जातियों का पता चला था। एक ही प्रांत में एक ही जाति के लोग अलग-अलग जिलों में अपने आपको उच्च या नीच जाति का मानते हैं। यदि जातीय आधार पर आरक्षण और सुविधाएं बंटने लगीं तो कौन जाति के लोग अपने आपको पिछड़ा या दलित साबित नहीं करना चाहेंगे?

जातीय जन-गणना सामूहिक लूट-खसोट का हथियार बन जाएगी। वैसे देश के कुछ नेता इन आंकड़ों का इस्तेमाल कुर्सी पाने और उसे बचाने के लिए करते ही है। जातीय जनगणना देश के लोकतंत्र को भेड़तंत्र में बदल डालेगी। देश की न्यायपालिका, विधानपालिका और कार्यपालिका में ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में योग्यता की जगह जाति ही पैमाना बन जाएगी। गरीबी दूर करने का लक्ष्य धरा का धरा रह जाएगा।

आज ८० करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्या जाति के आधार पर मिल रहा है? नहीं, गरीबी के आधार पर मिल रहा है। जातीय जनगणना हुई तो यह आधार नष्ट हो जाएगा।

देश में गरीबी बढ़ेगी। देश के ७० करोड़ से ज्यादा वंचितों का जातीय आरक्षण ने सबसे ज्यादा नुकसान किया है। सिर्फ5-7 हजार सरकारी नौकरियों की रेवड़ियां बांटकर देश के ८० करोड़ गरीबी की रेखा के नीचे लोगों को उपेक्षा का शिकार क्यों बनाया जाए? जो लोग भारत का भला चाहते हैं, उन्हें जन्मना जातिवाद का डटकर विरोध करना चाहिए।

नगाड़े बजाने वाले ही गड़े मुर्दे उखाड़ेंगे

हरिशंकर व्यास

इस समय देश में निकट अतीत से लेकर मध्यकालीन भारत तक के इतिहास की खुदाई का काम चल रहा है। औरंगजेब के जमाने में हुई ज्यादतियों का बदला लेने का अभियान चल रहा है तो २० साल पहले रेलवे में हुई 12 भर्तियों में कथित गड़बड़ियों के लिए तब के रेल मंत्री के पूरे परिवार पर केंद्रीय एजेंसियों के छापे पड़ रहे हैं। पिछले शुक्रवार को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि थी और उससे एक दिन पहले मध्य प्रदेश के सतना में उनकी प्रतिमा के अपमान का वीडियो वायरल हुआ। सोचें, इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ने, दशकों पुराने मामले खोल कर विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई करने या अपने राजनीतिक-वैचारिक विरोधियों की प्रतिमाओं से दुर्व्यवहार की जो परंपरा शुरू हुई है वह कहीं पर समाप्त होगी क्या कोई इस बात की गारंटी दे सकता है कि आज जो तख्तनशीन हैं वे कभी इस लंगूरी परंपरा का शिकार नहीं होंगे

नेहरू आज इस लंगूरी परंपरा का शिकार हैं, जबकि उनके प्रधानमंत्री रहते ही देश का वैचारिक मानस बनाने की जिम्मेदारी वामपंथी बुद्धिजीवियों ने संभाल ली थी। वे पूरी ईमानदारी से नेहरू के आइडिया ऑफइंडिया को स्थापित करते रहे थे। इस काम में लगे ज्यादातर लोगों की वैचारिक ईमानदारी असंदिग्ध थी और राजनीतिक निष्ठा भी कमोबेश मजबूत थी। इसके बावजूद इतिहास के अध्याय बदले जा रहे हैं, मूर्तियां गिराई जा रही हैं, स्मारक हटाए जा रहे हैं तो जिन लोगों ने सत्ता संभालने के बाद वैचारिक रूप से निष्ठावान और राजनीतिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को दूर किया और औसत या मंद बुद्धि वाले और निजी तौर पर नेता के प्रति निष्ठावान लोगों को आगे बढ़ाया उनके साथ क्या होगा इस सरकार ने तो देश का वैचारिक मानस बनाने का जिम्मा भी ऐसे लोगों को सौंपा है, जिनका अपना मानस स्पष्ट नहीं है। राजनीतिक रूप से ऐसे लोगों को आगे बढ़ाया गया है, जो या तो बौद्धिक मामलों में पैदल हैं या दूसरी पार्टियों से आए हैं। ऐसे लोगों की भरमार है, जो कुछ दिन पहले तक राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और भाजपा की विचारधारा का विरोध करते थे। हिंदू आतंकवाद का शब्द गढने और प्रचारित करने वाले पूर्व नौकरशाह भी केंद्र में मंत्री हैं। सो जब समय बदलेगा तब ये लोग क्या करेंगे, यह कहने की जरूरत नहीं है।

इसी तरह आज सरकार विरोधी नेताओं को भ्रष्ट साबित करने के लिए गड़े मुर्दे उखाड़ रही है। यह नई परंपरा है कि 15-२० साल पहले का मुद्दा निकाल कर किसी राजनीतिक विरोधी पर छापे मारे जाएं। यह परंपरा बंद नहीं होगी। आने वाले दिनों में जब भी समय बदलेगा, तब भी गड़े मुर्दे उखाड़े जाएंगे और मूर्तियां गिराई जाएंगी। सोचें, मनमोहन सिंह के १० साल के कार्यकाल के कितने मुद्दे इस सरकार को मिले हैं, जिस आधार पर उस सरकार को बदनाम किया जाए ऐसे इक्का-दुक्का मामले हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि उस समय प्रेशर कूकर में भांप निकालने वाली सीटी खुली हुई थी। एजेंसियों से लेकर अदालतें और अन्य संवैधानिक संस्थाएं काम कर रही थीं। तभी ज्यादातर घोटाले उनके समय में ही खुल गए। अभी प्रेशर कूकर में से भाप निकालने वाली सीटी बंद है। इसका मतलब यह नहीं है भाप नहीं बन रही होगी। भाप बन रही है और कोई समय ऐसा भी आ सकता है कि प्रेशर कूकर ही फट जाए। अदालतों और संवैधानिक संस्थाओं की जो स्थिति है, हमेशा वहीं स्थिति नहीं रहने वाली है। जब हालात बदलेंगे तो क्या होगा, इसका सिर्फ अंदाजा लगाया जा सकता है। सबसे बडी बात कि जो मीडिया, जो चेहरे आज मोदी के ढोल-नगाड़े बजा रहे है वे ही लोग वक्त बदलते ही सबसे पहले रंग बदल मोदी की फिल्म की असलियत के कर गढ़े मुर्दे निकालेंगे। तब बनेगी कई फिल्में किस्सा कुर्सी का के तर्ज पर।

त्वामु ते दधिरे हव्यवाहं देवासो अग्न ऊर्ज आ नपातम्।
(ऋग्वेद ७-१७-६)

मानवता के हित की अग्नि सभी देवपुरुष स्वीकार करते हैं। हृदय में उसे स्थापित करके ही वे देवपुरुष बनते हैं। जिससे उनकी वृत्ति दिव्य बनती है। यह अग्नि, बल और प्राणशक्ति को कभी गिरने नहीं देती है।

The Agni of human interest is recognized by all the divine people. Only by establishing it in the heart, they become divine people. Due to which, their tendencies become divine. Agni never allows, power and vitality to fall. (Rig Veda 7-17-6)

मथुरादत्त जोशी बने कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मथुरादत्त जोशी को प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशासन व संगठन नियुक्त किया।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी देवेन्द्र यादव के अनुमोदन के उपरान्त पार्टी के वरिष्ठ नेता मथुरादत्त जोशी को पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशासन, संगठन नियुक्त किया है।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राजीव महर्षि ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि मथुरादत्त जोशी विगत कई वर्षों से पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर अपनी सेवायें देते आये हैं तथा विगत समय से प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री संगठन एवं वरिष्ठ प्रवक्ता के रूप में कांग्रेस मुख्यालय में प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया में पार्टी का पक्ष मजबूती से रखने के साथ ही प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दी गई प्रत्येक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा एवं प्रदेश प्रभारी देवेन्द्र यादव ने मथुरादत्त जोशी से आशा व्यक्त की है कि वे अपने अनुभव के आधार पर अपनी इस नई जिम्मेदारी का बेहतर तरीके से निर्वहन करेंगे तथा पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने में सहयोग करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राजीव महर्षि, प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह, पूर्व मंत्री अजय सिंह, सदस्यता अभियान समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र भण्डारी, महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, जिलाध्यक्ष अश्विनी बहुगुणा, अमरजीत सिंह, प्रशान्त खण्डूरी, दीप बोहरा, मोहन काला ने मथुरादत्त जोशी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान लालतप्पड के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी से 144 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अनुज पुत्र प्रेमसिंह निवासी निरंजनपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

रेस्टोरेंट के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने रेस्टोरेंट के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी विमल थपलियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया वह किसी काम से महेन्द्र शौरूम के पास एक रेस्टोरेंट में गया था तथा उसने अपनी स्कूटी रेस्टोरेंट के बाहर खडी कर दी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उस की स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एआरटीओ ने 15 ई-रिक्शा सीज किए

काशीपुर (आरएनएस)। शहर में बढ़ते यातायात और अव्यवस्था को देखते हुए एआरटीओ एके झा ने सीपीयू समेत तीन टीमों के साथ शहर के अलग–अलग जगह वाहनों और ई–रिक्शा का चालान काटा।

एआरटीओ ने चौती चौराहा, चीमा चौराहा, एमपी चौक और रामनगर रोड़ पर तीन टीमों के साथ वाहनों के चालान किए। इनमें से ४७ ई–रिक्शा समेत ५० वाहनों का चालान काटा गया।

एआरटीओ एके झा ने बताया कि शहर में ई–रिक्शा की अनियमतताओं के चलते ये अभियान चलाया गया। इसमें १५ ईरिक्शा बिना पंजीकरण, बिना लाइसेंस, बिना बीमा और बिना कर होने के चलते सीज भी किए गए। बताया की यह अभियान आगामी दिनों में भी चलता रहेगा।

लाखों की स्मैक सहित भतीजा गिरफ्तार, चाचा फरार

हमारे संवाददाता

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र के मेहुंवाला में चाचा-भतीजे द्वारा चलाये जा रहे नशे के कारोबार का पर्दाफाश करते हुए एसटीएफ व पटेलनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने भतीजे को लाखों की स्मैक, इलैक्ट्रानिक तराजू व हजारों की नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया है। छापेमारी की इस कार्यवाही के दौरान चाचा फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों से एसटीएफ व पटेलनगर पुलिस को सूचनाएं मिल रही थी कि मेहूंवाला क्षेत्र में कुछ लोग नशे के कारोबार में लिप्त है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए जब एसटीएफ व पटेलनगर पुलिस ने संयुक्त जांच की तो मामला सही पाया गया। इस पर एसटीएफ व पटेलनगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कल देर शाम कार्यवाही करते हुए मेहूंवाला माफी में बताये गये घर पर छापेमारी की गयी। जहां भतीजे राकिब के कमरे से संयुक्त टीम ने 15 ग्राम स्मैक, एक इलेक्ट्रानिक तराजू व 2800 की नकदी बरामद की। वहीं चाचा राशिद के कमरे से संयुक्त टीम ने 102 ग्राम स्मैक व एक इलैक्ट्रानिक तराजू बरामद किया। हालांकि इस दौरान मची अफरा तफरी के कारण चाचा राशिद उर्फ तौफिक अली फरार होने में सफल रहा जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

पूछताछ में गिरफ्तार राकिब द्वारा बताया गया कि वह वर्ष 2021 में स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया था तथा उसके चाचा राशिद के खिलाफ विभिन्न जनपदों में मादक पदार्थो से सम्बन्धित कई मुकदमें दर्ज है। बताया कि वकील की फीस तथा अपने खर्चे निकालने के लिए वह अपने चाचा राशिद के साथ मिलकर यह कार्य कर रहा था। बहरहाल संयुक्त टीम द्वारा उसके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

कार की चपेट में आकर बाईक सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट मे आकर मोटरसाईकिल सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोल्हूपानी पौंधा रोड निवासी पंकज मोहन ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर जा रहा था जब वह रायपुर स्टेडियम के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में लिया जिससे वह सडक पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया आसपास के लोगों ने उसको चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग के अपहरण में महिला सहित पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग युवती के अपहरण मामले में पुलिस द्वारा कार्यवाही कर एक महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने नाबालिग को भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 26 मार्च को अनिता पत्नी प्रदीप निवासी मुजफ्फरनगर हाल हेत्तमपुर द्वारा थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया गया था कि एक व्यक्ति राजपाल व उसके साथियों ने उनकी नाबालिग बहन का अपहरण कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने आज सुबह एक सूचना के आधार पर उक्त अपहरण में शामिल करण कश्यप पुत्र रामकुमार कश्यप निवासी पीलीभीत को लेबर चौक सिडकुल से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने नाबालिग अपहर्ता को बरामद कर आरोपी मोनू पुत्र अमर सिंह, राजपाल लोधी पुत्र रतिराम लोधी, नन्दलाल लोधी पुत्र गोकुल लोधी व लक्ष्मी पत्नी राजपाल लोधी को रिक्शा स्टैण्ड बहादराबाद से गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में कार्यवाही कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

किसानों की समस्याओं को लेकर संयुक्त किसान मोर्चे की बैठक

नगर संवाददाता

डोईवाला। डोईवाला गन्ना सोसायटी में शहीद स्थल बनाने एवं किसानों की अन्य समस्याओं पर विचार विमर्श किये जाने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चे की एक महत्वपूर्ण बैठक गन्ना समित डोईवाला के किसान सभागार में सम्पन्न हुई।

अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक को सम्बोधित करते हुए दलजीत सिंह ने कहा कि अभी तक किसानों को जो गन्ने का भुगतान मिला है वह सरकार द्वारा दिये गए अनुदान के कारण सम्भव हुआ लेकिन गन्ना मिल द्वारा किसानों को कोई भुगतान नहीं किया गया जो कि किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एक रणनीति बनाकर गन्ने के शेष भुगतान को एक मुश्त लेने के लिए किसान जुलाई माह के दूसरे सप्ताह के बाद मिल गेट पर अनिश्चित कालीन धरना देकर मिल प्रशासन को गन्ने के बकाया पूर्ण भुगतान के लिए बाध्य करेंगे। किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह खालसा व किसान नेता उमेद बोरा ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चे का तीन दिवसीय 16 से 18 जून 2022 तक हरिद्वार में किसान महाकुंभ का आयोजन होगा जिसमें देश भर से हजारों किसान शामिल होंगे। डोईवाला से भी 16 जून को सैकडों किसान शिरकत करेंगे।

किसान नेता बलबीर सिंह व किसान मोर्चे के नेता प्रधान ताजेन्द सिंह ने बैठक में आंदोलन के शहीद किसानों की याद में गन्ना सोसायटी के प्रांगण में शहीद स्थल बनाये जाने का मुद्दा उठाया जिसमे सभी ने एक राय से कहा कि एक बार डोईवाला नगर पालिका परिषद में अधिकारी से मिलकर बात करेंगे अन्यथा किसान मोर्चा खुद अपने दम पर शहीद स्थल का निर्माण करेंगे। उन्होंने किसानों के खेतों पर सिंचाई हेतु जाने वाली नहर जो कि बस्तियों से होकर गुजरती है में गंदगी डालने के बारे मे चर्चा करते हुए कहा कि बस्तियों के स्थानीय लोगो पर नगर पालिका एवं ग्राम पंचायते रोक लगाएं।

बैठक को किसान सभा जिला संयुक्त सचिव याकूब अली व जाहिद अंजुम ने कहा कि केंद्र सरकार ने एमएसपी के अन्तर्ग 16 कृषि उत्पादों को समलित करते हुए एमएसपी में मात्र 2 से 5 प्रतिशत की वृद्धि की है जो किसानों की आय दोगुना करने के नाम पर किसानों के साथ भद्दा मजाक है। यही नहीं बल्कि सरकारी क्रय केंद्रों पर किसानों की फसल लेने की भी सीमित मात्रा रखी गयी है जिस कारण किसान को बाकी फसल प्राइवेट मंडियों में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा ।

बैठक में हरबंश सिंह, किशन सिंह, भगवान सिंह, खालिद, अनूप पाल, मनमोहन कुमार, शमशाद अली, जगजीत सिंह, साधू राम आदि काफी संख्या में किसान उपस्थित थे।

आईएमए पासिंग आउट परेड...!

पाचन को दुरुस्त रखने में सहायक हैं ये पेय, रोजाना करें सीमित मात्रा में सेवन

पाचन क्रिया भोजन को पचाकर पोषक तत्वों में बदलती है। ये पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य लाभ देने में भी सहायक होते हैं। हालांकि, अगर किसी कारण से पाचन क्रिया प्रभावित हो जाए तो इसके कारण अपच और डायरिया जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचाकर पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में कुछ पेय का सेवन काफी मदद कर सकता है। आइए आज ऐसे कुछ पेय के बारे में बताते हैं।

अदरक की चाय

अदरक में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो गैस्ट्रिक जूस के उत्पादन को उत्तेजित करके हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को तोड़ने और पाचन को बढ़ावा देने में मदद करती है। यहीं नहीं, अदरक में मौजूद गुण पेट की ऐंठन, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में भी मदद कर सकते हैं। इन लाभों के लिए एक कप अदरक वाली चाय का सेवन करें।

कैमोमाइल चाय

एंटी-स्पास्मोडिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर कैमोमाइल चाय का सेवन भी पाचन को दुरुस्त करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, कैमोमाइल चाय एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट जैसे कई पोषक गुणों से समृद्ध होती है, इसलिए इसका सेवन कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े लाभ देने में सहायक है। इसलिए रोजाना एक कप कैमोमाइल चाय का सेवन जरूर करें। ध्यान रखें कि एक दिन में एक कप चाय पीना ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

नारियल पानी

अगर आप रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी का सेवन करते हैं तो इसका पाचन क्रिया पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एक शोध के मुताबिक, नारियल पानी के सेवन से कब्ज, हैजा और अन्य पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर किया जा सकता है। वहीं एक अन्य शोध में इस बात का जिक्र मिलता है कि नारियल पानी पेट में पहुंचकर डाइजैशन टॉनिक का काम कर सकता है। इसलिए रोजाना नारियल पानी का सेवन जरूर करें।

चिया सीड ड्रिंक

फाइबर से भरपूर चिया सीड्स भी पाचन क्रिया के लिए फायदेमंद होते हैं ये प्रीबायोटिक के रूप में कार्य करके पेट में अच्छे बैक्टीरिया पैदा करने में मदद कर सकता है और आपकी पाचन क्रिया की कार्यक्षमता को प्रभावी तरीके से बढ़ा सकता है। अच्छी बात यह है कि चिया सीड्स पचाने में भी आसान होते हैं। पाचन को स्वस्थ रखने के लिए चिया सीड्स को पानी में भिगोकर खाली पेट इसका सेवन करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -59

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

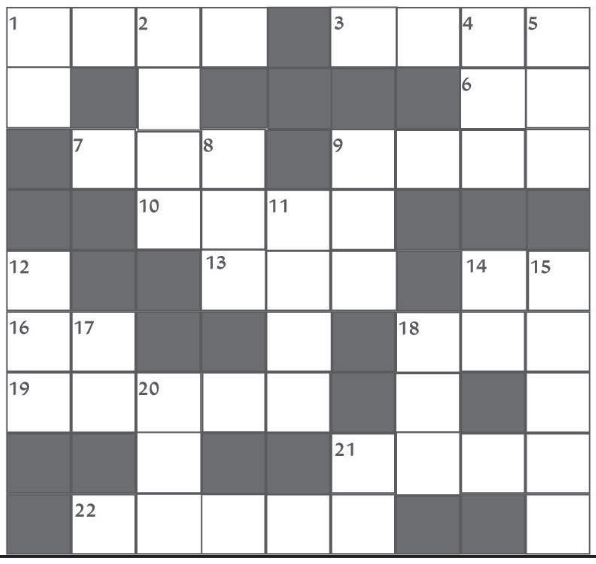

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 58 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

ऋतिक रोशन की बहन करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें फिल्म निर्माता रमेश तौरानी ने इश्क विश्क के सीक्वल के लिए साइन किया है।

शाहिद कपूर की फिल्म इश्क विश्क रिलीज होने के दो दशक बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है। फिल्म का नाम इश्क-विश्क रिबाउंड होगा। इस फिल्म में अभिनेता जिब्रान खान, रोहित सराफ और नैला ग्रेवाल जैसे स्टार होंगे। सभी कलाकारों ने फिल्म का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

पश्मीना ने फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ऐसा लगता है कि वर्षों की तपस्या और कड़ी मेहनत आखिरकार फल दे रही है। मैं स्क्रीन पर अपना पहला अनुभव आपके सामने लाने के लिए बेहद उत्साहित और नर्वस हूं। यह रिश्तों को ऐप्स पर पाने और खोने की कहानी है। प्यार को अपग्रेड करने की जरूरत है। इश्क विश्क रिबाउंड.. आगे चलने का समय आ गया है।

2003 में रिलीज हुई इश्क विश्क में शाहिद कपूर, अमृता राव, विशाल मल्होत्रा और शेनाज ट्रेजरी लीड रोल में थे। यह रोमांटिक और कॉमेडी मूवी थी।

बॉबी देओल के साथ काम करने को लेकर अदिति पोहनकर ने की बात

अभिनेत्री अदिति पोहनकर ने कहा कि आश्रम श्रृंखला में उनका ऑन-स्क्रीन चरित्र, परमिंदर उर्फ पम्मी, उनके काफी करीब है और वह कई तरह से अपनी भूमिका से संबंधित हैं।

मेरे और पम्मी के बीच सबसे महत्वपूर्ण समानता यह है कि मैं भी साहस और सच्चाई से अपनी बात कहती हूं, जिसके लिए पम्मी खड़ी है और मेरी नैतिकता जो मेरे परिवार से आती है, मुझे लगता है कि यही आधार है कि मैं कौन हूं।

प्रकाश झा-निर्देशन में बॉबी देओल मुख्य भूमिका में धर्मगुरु बाबा निराला के रूप में फिर नजर आएंगे। पम्मी बाबा का सच सामने लाने के लिए हर कोशिश कर रही है। तीन सीजन तक सीरीज में रहने के दौरान, पम्मी का किरदार निभाना अदिति के लिए हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है।

वह को बताती है कि मैं बहुत मेहनत की है। मुझे अपना वजन बढ़ाना था। मुझे एक पहलवान की तरह दिखना था, मैं एक खिलाड़ी हूं। महाराष्ट्र में हमारे पास वास्तव में कुश्ती के मैदान नहीं हैं, वे केवल हरियाणा की ओर हैं। इसलिए एक पहलवान की शारीरिक भाषा और संपूर्ण रूप को समझने के लिए, मैं मुंबई में कहीं नहीं जा सकती थी, तो, मैंने एक स्मार्ट गेम खेला। मैंने सर से पूछा कि क्या मैं कुश्ती करने वाली लड़कियों के साथ कुछ समय बिता सकती हूं, और फिर मैंने उनके साथ बहुत अच्छा समय बिताया, साथ उन सभी से बहुत कुछ सीखा भी।

बाथरूम में तेजस्वी ने कराया बोल्ड फोटोशूट

बिग बॉस 15 विनर और फेमस टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपने शो नागिन को लेकर तो सुर्खियां बटोर ही रही हैं। इसके अलावा वे सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड फोटो शेयर कर अपने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रहीं है। अब में तेजस्वी प्रकाश ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। तेजस्वी प्रकाश के पास कपड़ों का इतना शानदार कलेक्शन है कि हर बार वह अपने ग्लैमरस लुक से सभी को चौंका देती हैं। इस बार भी गोल्डन कलर की ड्रेस में एक्ट्रेस की अदाएं देखने लायक है।

तेजस्वी प्रकाश ने गोल्डन थीम पर यह फोटोशूट करवाया है और इसका जिक्र उन्होंने कैप्शन में भी किया है।

अगर बात करें फैशन सेंस की तो एक्ट्रेस हर बार अपने लुक से लोगों की दिलों की धड़कानों को बढ़ा देती हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में तेजस्वी प्रकाश इतनी स्टनिंग लग रही हैं कि फैंस के लिए उनकी तस्वीरों से नजरें हटा पाना मुश्किल हो रहा है। हर फोटो में तेजस्वी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रही है।

हर्षिका ने जूही चावला की प्रेमलोक की यादें ताजा की

कन्नड़ अभिनेत्री हर्षिका पूनाचा ने बॉलीवुड अदाकारा जूही चावला के एक गाने को टैग किया है, जिसपर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है। हर्षिका ने कन्नड़ फिल्म प्रेमलोक के एक सुपरहिट गाने अपनी फिल्म थायता के लिए रीशूट किया है।

जूही चावला ने कन्नड़ फिल्म उद्योग की सर्वकालिक हिट फिल्म प्रेमलोक के मूल गीत नोदम्मा हुदुगी में अभिनय किया था। फिल्म 1987 में रिलीज हुई थी। कन्नड़ फिल्म उद्योग के शोमैन वी. रविचंद्रन ने फिल्म का निर्देशन, निर्माण और फिल्म में अभिनय भी किया था।

हर्षिका ने जूही चावला को टैग करते हुए लिखा कि मुझे इस गाने में जूही चावला मैम बहुत पसंद हैं।

जूही चावला ने स्माइली इमोजी के साथ जवाब दिया।

प्रतिक्रिया मिलने के बाद हर्षिका बहुत खुश थीं। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री को जबाव देने के लिए धन्यवाद दिया।

फिल्म प्रेमलोक के गानों ने उस समय इतिहास रच दिया था, और आज भी बुजुर्ग और युवा इस गाने का लुत्फ उठाते हैं। 80 के दशक में गाने, लोकेशन और थीम ने मिलकर फिल्म को सुपरहिट बना दिया था।

500 करोड़ रुपये में बनेगी फिल्म आदिपुरुष!

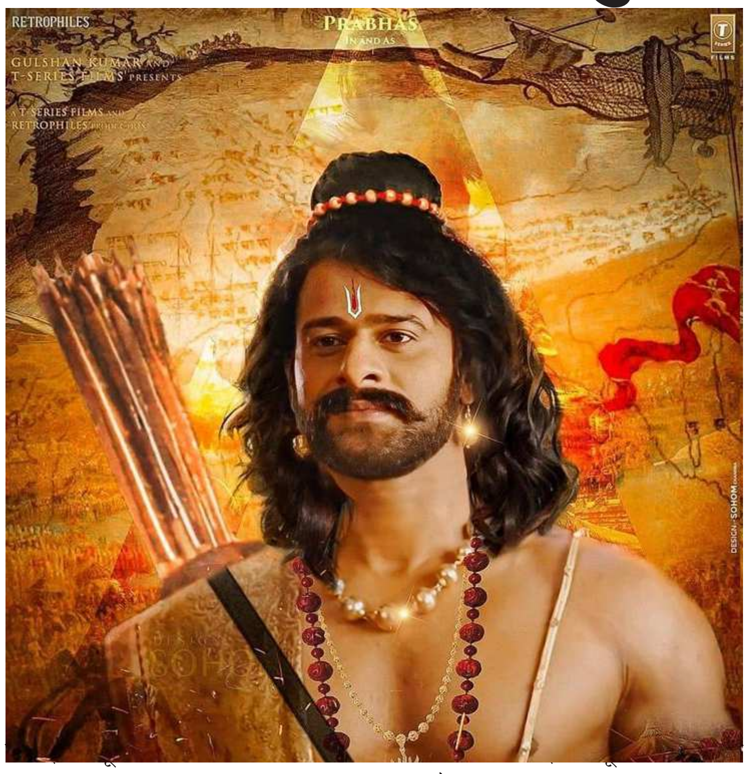

पौराणिक कथाओं पर आधारित फिल्मों को दर्शक खूब पसंद करते हैं। ऐसी ही फिल्म है आदिपुरुष, जिसमें साउथ स्टार प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म को पैन इंडिया लेवल पर रिलीज किया जाएगा। ओम राउत ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। अब सुनने में आ रहा है कि मेकर्स इस फिल्म को 500 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनाएंगे। इस प्रकार इसका प्रोजेक्ट बाहुबली फ्रेंचाइजी से भी महंगा हो जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर और टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार ने इस संबंध में खुलासा किया है। भूषण ने कहा, फिल्म आदिपुरुष 500 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। हम जानते हैं कि इस फिल्म के लिए हाउसफुल बोर्ड के साथ ओपनिंग बहुत बड़ा होने वाला है। हमें पता है कि लोग इसे टिकटों के मूल्य पर ध्यान दिए बिना देखने आएंगे, क्योंकि यह अपने तरह की एक अनूठी फिल्म है।

2015 में रिलीज हुई बाहुबली- द बिगनिंग में दक्षिण भारतीय अभिनेता प्रभास और अनुष्का शेट्टी को मुख्य भूमिकाओं में देखा गया था। यह फिल्म 180 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी। 2017 में इसका दूसरा भाग बाहुबली द कनक्लूजन रिलीज हुआ था। इसने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी अनुष्का दिखी थीं। यह फिल्म 250 करोड़ रुपये के मेगाबजट में बनी थी।

आदिपुरुष में प्रभास के साथ अभिनेत्री कृति सैनन की जोड़ी बनी है। इस फिल्म में प्रभास भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। कृति फिल्म में प्रभास के अपोजिट सीता के किरदार में दिखेंगी। वहीं, फिल्म में सैफ अली खान रावण का किरदार निभाते हुए दिखेंगे। इस फिल्म में सनी सिंह वाले हैं। इस प्रकार वह लक्ष्मण की भूमिका को पर्दे पर उकेरते दिखेंगे।

आदिपुरुष ही नहीं, रामायण पर आधारित कई बड़ी फिल्में बन रही हैं। अलौकिक देसाई की फिल्म सीता- द इनकारनेशन एक मेगाबजट फिल्म है। इसे रामायण का महत्वपूर्ण पात्र माता सीता को केंद्र में रख कर बनाया जा रहा है। इसमें सीता का किरदार अभिनेत्री कंगना रनौत निभाएंगी। राम सेतु अक्षय कुमार की फिल्म है, जो रामायण पर आधारित है। निर्देशक नितेश तिवारी की रामायण 3 डी में मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण नजर आ सकती हैं।

प्रभास की आखिरी फिल्म राधे श्याम बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। वह निर्देशक नाग अश्विन की साइंस फिक्शन फिल्म का हिस्सा हैं। वह रैम्बो की हिंदी रीमेक से जुड़े हैं। वह फिल्म सालार में भी नजर आएंगे।

कार्तिक आर्यन ने बढ़ाई अपनी फीस

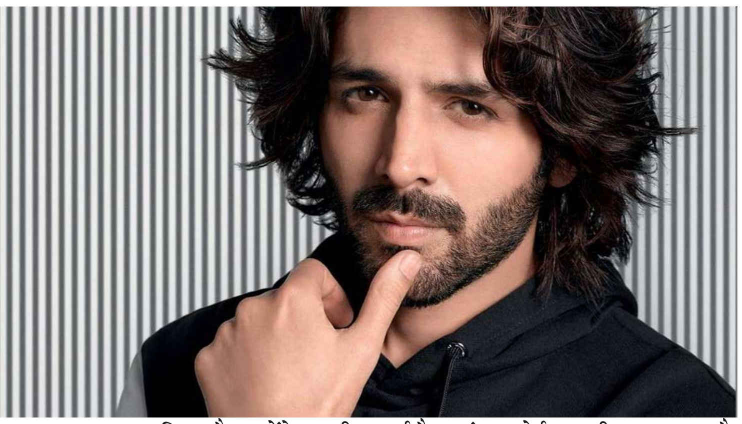

कार्तिक आर्यन अभी अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं। इस फिल्म के हिट होने के बाद वह सफलता के रथ पर सवार हैं। हाल में उनकी इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री मारी है। यह फिल्म 20 मई को रूपहले पर्दे पर आई थी। अब सुनने में आ रहा है कि भूल भुलैया 2 को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद कार्तिक ने अपनी फीस बढ़ा दी है।

रिपोर्ट की मानें तो भूल भुलैया 2 से सफलता का स्वाद चखने के बाद कार्तिक ने अपनी फीस में बढ़ोतरी कर दी है। अब तक कार्तिक एक फिल्म के लिए 15 से 20 करोड़ रुपये वसूलते थे। हालांकि, अब एक सूत्र ने बताया कि उनकी फीस बढ़कर 35-40 करोड़ रुपये हो गई है। इस लिहाज से देखा जाए तो उनकी फीस में करीब दोगुना इजाफा हुआ है।

फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि विज्ञापनों के लिए भी कार्तिक करोड़ों में फीस चार्ज करते हैं। रिपोर्ट की मानें तो वह एक विज्ञापन के लिए 5-7 करोड़ रुपये लेते हैं। वह कई लोकप्रिय ब्रांड्स से जुड़े हुए हैं।

कार्तिक ने बॉलीवुड में फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। उन्होंने काफी मेहनत के बाद इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 2011 में प्यार का पंचनामा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। बता दें कि कार्तिक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं रहे हैं। जब कार्तिक पिछले साल करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 से बाहर हुए थे, तो उस समय भी इनसाइडर और आउटसाइडर्स का मुद्दा गरमाया था।

अभिनेता कार्तिक का एक वीडियो वायरल हो चुका है, जिसमें वह सड़क किनारे स्थित एक ढाबे में खाना खाते हुए दिखे हैं। कार्तिक इस वीडियो में कहते हुए नजर आए, यह मेरी खुशी है कि फिल्म की कमाई 100 करोड़ रुपये को पार कर गई है। यहां हर कोई एक ही खाना खाता है। मैं क्या कर सकता हूं? फिल्म ने 100 करोड़ रुपये कमाए हैं और मैं यहां पापड़ खा रहा हूं।

भूल भुलैया 2 में कार्तिक के अलावा तब्बू और कियारा आडवाणी भी नजर आई हैं। अनीस बाज्मी ने इसका निर्देशन किया है। फिल्म में राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में विद्या बालन की जगह कियारा मंजुलिका बनकर लौटी हैं। इसमें कार्तिक भूतों से गुफ्तगू करते नजर आए हैं। फिल्म में कॉमेडी के साथ-साथ हॉरर का समावेश है। इसे एक मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है।

इतिहास बोध: वर्तमान को अतीत में जीना

हरिशंकर व्यास

आठ अरब मनुष्यों का इतिहास बोध मोटा-मोटी वहीं है जो मानव प्रकृति की विवेचना से निकलता है। जैसे लोग वैसा बोध! भेड़-बकरी की प्रवृत्ति वाले लोगों के लिए पृथ्वी और इतिहास का होना या न होना बेमतलब है। मगर हां, भेड़ बाड़ों की कमान संभाले गड़ेरिए उर्फकथित श्रेष्ठिजनों के लिए अलग-अलग चारदिवारियों में मनुष्यों को बांटने और उससे उन पर स्वामित्व में पृथ्वी बतौर कर्मभूमि है। ऐसे ही धनपशु प्रवृत्ति के मोटे सुअरों के लिए वह संसाधनों की खदान है।सत्यवादी, चिंतक देवर्षि लोग भले इतिहास में झांक कर आज और कल का चिंतन करें, अपने इतिहास बोध में भविष्य के रोडमैप बनाएं लेकिन ऐसा कर सकना न आम आदमी के बस की बात है और न लोगों के समूहों के नियंताओं, चारदिवारियों के बस में है।

प्रलय का मुहाना-21रू पृथ्वी के इतिहास में मनुष्य जन्म है। उस नाते जन्मदायी पृथ्वी पर मानव इतिहास में क्या बोध है? क्या मनुष्य अपने इतिहास में पृथ्वी की चिंता करता हुआ है? कतई नहीं। वजह यह त्रासद सत्य कि मानव सभ्यता का आरंभ विनाशकाले विपरीत बुद्धि की प्रवृत्ति में हुआ। आरंभिक दार्शनिकों, चिंतकों ने भय, असुरक्षा, भूख की चिंताओं में प्रकृति पर सोचा और पृथ्वी टेकेन फॉर गारंटेड। वह कल्पनाओं का प्लेटफॉर्म बनी। वह देवलोक के वरदान की एक माया। चांद-तारों के आकाश के किसी देवलोक का एक निर्माण और उसी से मनुष्य का जन्म। दिमाग की कल्पनाओं ने पृथ्वी की बजाय परलोक, स्वर्ग की कल्पना कर, उनके भगवान को अपना संरक्षक बनाया। जन्मदाता माना। पृथ्वी के लिए श्रेष्ठ नहीं बनना, पुण्य नहीं सोचना, अपने को अर्पण नहीं करना, बल्कि पृथ्वी तो पाप की जगह। परीक्षा की जगह। सोचें, मानव के आइडिया में कैसे धर्म, कैसी जीवन पद्धति बनी जो पृथ्वी तो पापी, मृत्युलोक और मनुष्य की मंजिल व मुक्ति तभी जब उसे कल्पनाओं का स्वर्ग लोक मिले।

इसलिए आठ अरब मनुष्यों का इतिहास बोध मोटा-मोटी वहीं है जो मानव प्रकृति की विवेचना से निकलता है। जैसे लोग वैसा बोध! भेड़-बकरी की प्रवृत्ति वाले लोगों के लिए पृथ्वी और इतिहास का होना या न होना बेमतलब है। मगर हां, भेड़ बाड़ों की कमान संभाले गड़ेरिए उर्फ कथित श्रेष्ठिजनों के लिए अलग-अलग चारदिवारियों में मनुष्यों को बांटने और उससे उन पर स्वामित्व में पृथ्वी बतौर कर्मभूमि है। ऐसे ही धनपशु प्रवृत्ति के मोटे सुअरों के लिए वह संसाधनों की खदान है।

यों इतिहास बोध का मामला रोचक व गंभीर है। कवि अज्ञेय की एक लाजवाब काव्य टिप्पणी है- इन्हें अतीत भी दिखता है, और भवितव्य भी। इस में ये इतने खुश रहते हैं, कि इन्हें यह भी नहीं दिखता! कि उन्हें सब कुछ दिखता है पर, वर्तमान नहीं दिखता!, दांते के लिए यह स्थिति, एक विशेष नरक था, पर ये इसे अपना इतिहास-बोध कहते हैं!

अतीत दोहराता हुआ

क्या गजब बात है। भारत को उसके वर्तमान में परखें! क्या अतीत दोहराता हुआ नहीं है। उससे नरक बनता हुआ नहीं है? अतीत की पुनरावृत्ति नहीं है? हिसाब से भारत के लोग 1947 से आजाद हैं। पर क्या अतीत से आजाद हैं? हिसाब से अंग्रेजों के वक्त ही, विभाजन के बाद तो अनिवार्य तौर पर ग्यारह सौ साल पुराने हिंदू-मुस्लिम रिश्तों के जख्म भर जाने थे। लेकिन मनुष्य मेमोरी का कोई क्या करें। घाव भले भर जाए, उसके निशान विवेक को खाए होते हैं। इसलिए भारत के 140 करोड़ लोगों का दिमाग न केवल अतीत में बंधा हुआ है, बल्कि उसी से राष्ट्रीय जीवन नियंत्रित है। हिंदू सत्ता आश्रित है, गुलाम है। उससे वह इतिहास का बदला लेने का मुगालता पाले हुए है। जबकि मुसलमान विजेता के अहंकार में वर्तमान बिगाड़े हुए है। हिंदू दिमाग सैकेड़ों सालों की गुलामी के अनुभव से ऐसे गुंथा है, जिसके कारण उसमें दासता के मौजूदा सिस्टम को समझने का विवेक भी नहीं है। उसने अंग्रेजों से आजादी पाई पर दासता के सिस्टम, उस सत्ता से नहीं पाई, जिससे सदियों से वह गुलाम बना आया है। हिंदू दिमाग में यह विवेक, इतिहास का यह सबक पैठता नहीं है कि हाकिम गोरा हो या काला, जब तक मनुष्य को माई-बाप सत्ता का, पालतू-पिंजरे से मुक्त जीवन प्राप्त नहीं होता तब तक वह परतंत्र है। जिंदगी भय, भूख, झूठ की आदिम प्रवृत्ति की जंगली अवस्थाओं में ही गुजरती है। तभी हिंदू का अतीत और वर्तमान कांटीन्यू है। दुनिया में किसी और नस्ल-कौम का यह मामला नहीं है जो परंपरा और इतिहास बोध दोनों में हिंदू अतीत की कल्पनाओं और ताने-बानों में जी रहा है। लोकतंत्र में अवतार तलाशता है और सत्ता को मंदिर बनाकर उसकी भक्ति, दासता में जीवन जीता है। अतीत की आदत ही वर्तमान का स्वभाव है।

पृथ्वी की बाकी मनुष्य प्रजातियों में भी कोई उम्दा दिमागी स्थिति नहीं है। रूस, यूक्रेन, इस्लामी देश, चीन आदि देशों की नस्लों, जातियों, आइडेंटिटी के समूहों की इतिहास मेमोरी भी अतीत के शव-श्मशानों में भटके हुए है। मुसलमान मानते हैं कि हमारे आखिरी पैगंबर थे और उन्होंने जो कहा वह आखिरी सत्य है तो हम तब तक चौन से नहीं बैठेंगे जब तक पूरी पृथ्वी को दारूल इस्लाम न बना डालें। मानव समूहों की ऐसी हर जिद्द लॉजिक, तर्क, भविष्यदृष्टि से नहीं है। ये सब अतीत की कहानियों, अनुभवों, घावों के निशान और इतिहास की मनमानी व्याख्या और इतिहास के बेवकूफी भरे बोध से है।

पिछले ढाई सौ वर्षों में औद्योगिक क्रांति के बाद की इतिहास घटनाओं पर गौर करें। लड़ाइयों, महायुद्धों, महामारियों, भूकंपों, तूफानों, बाढ़, वित्तीय संकटों, महाशक्तियों के पतन-उत्थान, आर्थिक मंदी, देशों के बनने-बिगड़ने की जितनी भी घटनाओं की टाइमलाइन बनी हुई है उन पर सोचें तो अपने आप जाहिर होगा कि मानव सभ्यता के अधिकांश प्राणी या तो यांत्रिक बेसुधी में हैं या अतीत से चले आ रहे इस इलहाम को छोड़ नहीं सकते कि हमारी कहानी नहीं मानी तो आपदा-विपदा आती रहेगी। हमारी सुनो यह कलियुग है इसलिए जो होता आया है वह सब होता रहेगा! इस तरह की यांत्रिक-नियतिगत बहुसंख्यक मानसिक अवस्था से इतर थोड़े-बहुत जो स्वतंत्रचेता मनुष्य हैं वे जरूर अलग तरह से सोचते हैं। पर वे भी अंततरू इतिहास के बोध के बावजूद इस लाचारगी में हैं कि करें तो क्या करें!

सोचें, मनुष्य की इस मनोदशा पर। देश भले बढ़ते हुए जल स्तर में डूबने की कगार पर है, रोते हुए है लेकिन बावजूद इसके इतिहास और उसके बोध की आइडेंटिटी के हवाले लोग और नेता राष्ट्रबोध की मूर्खता में जी रहे हैं। अतीत की परंपरा की जीवन शैली या गोबर और गौमूत्र को पकड़ा हुआ है! तभी पूरी मानवता और पृथ्वी के भविष्य के सिलसिले में सवाल है कि 195 देशों का अलग-अलग इतिहास बोध क्या आत्मघाती और खतरनाक नहीं है? चिंता भविष्य की होनी चाहिए या अतीत के अपने अहम, अपनी कहानियों में वर्तमान जीना चाहिए?

वर्तमान मतलब द्वीपीय देशों का डूबते हुए होना। हवा का प्रदूषित होना। जलवायु का गर्म होना है। मानव स्वभाव का उग्र होते जाना। मनुष्यता के अब तक के मानसिक विकास को जांगल युग की और ले जाना। ऐसा वर्तमान अनिवार्य तौर पर पृथ्वी व मनुष्य दोनों के भविष्य को प्रलयकारी बनाने वाला है।

तब मनुष्य व उनकी चारदिवारियों के देशों में क्या खतरे की घंटी नहीं बननी चाहिए? मगर सब वैश्विक बोध के बजाय राष्ट्रबोध में जी रहे हैं। कहानियों-कल्पनाओं के बोध की रूढ़ी में जिंदगी का व्यवहार बनाए हुए हैं। मनुष्यों के यांत्रिक जीवन में इतिहास और अतीत से ग्रीसिंग हो रही है। निश्चित ही मनुष्य अतीत और इतिहास की पैदाइश है। परंपरा और संस्कारों में पीढियां जीती आई हैं। पारंपरिक जीवन पद्धति, संस्कार, संस्कृति सबका चारदिवारियों में छोटे-मोटे अर्थ हैं लेकिन जब मामला पृथ्वी और मानव अस्तित्व का है तो मानव धर्म का तकाजा है कि अतीत की बनवाई जीवन शैली को छोड़ो। वर्तमान को भविष्य दृष्टि में बनाए।

सू- दोकू क्र. 59

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 58 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

फिल्म कितनी ही लंबी चले, नतीजा तय!

हरिशंकर व्यास

क्या संभव है जो फिल्म में आगे ट्विस्ट हो? नरेंद्र मोदी स्टोरी खत्म होने से पहले या अपने तीसरे कार्यकाल में नया कथानक बना लें। स्टोरी ऐसे घूमे कि उनके कुल कार्यकाल की फिल्म सुखांत हो न कि दुखांत।

ऐसा संभव ही नहीं है। इसलिए क्योंकि गुजरात से चले आ रहे नरेंद्र मोदी के चेहरे-मोहरे-तासीर और कथानक में परिवर्तन की गुजाइंश कैसे संभव? पिछले आठ सालों में जिस एकला चलो में प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार चलाई है वह अगले कार्यकाल में सामूहिक नेतृत्व की बुद्धि-विचार से कथानक बनाने लगे, यह संभव नहीं है। दो साल बाद लोकसभा चुनाव हैं और वह तभी जीता जा सकता है जब मुस्लिम बस्तियों में घूमता बुलडोजर मस्जिदों की ओर बढ़े! तभी ज्ञानवापी, मथुरा की मस्जिद एजेंडे में आती हुई है। इसके ऐतिहासिक साक्ष्य हैं और मुसलमानों में विवेकशील जमात नहीं है तो तय है मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम पर ही आगे वोट पकेंगे। ऐसे ही यह भी तय है कि नरेंद्र मोदी 80-100 करोड़ लोगों को फ्री राशन और नकद पैसे देने का सिलसिला बनाए रखेंगे। उनकी फिल्म के सिनेमाघरों में भीड़ की निरंतरता का आखिर एक कारण यह भी है कि दर्शकों को फ्री में खाना मिल रहा है।

इसलिए 2024 में भी 2019 और 2014 के कथानक की पुनरावृत्ति है। सोचें, बासी कथानक पर दूसरे इंटरवल के बाद कहानी में क्या चेंज हो सकते हैं? क्या नरेंद्र मोदी की तीसरी सरकार अखंड भारत बनाएगी? पाक अधिकृत कश्मीर में सैनिक ऑपरेशन करा उसे ले लेंगे? भारतीय जमीन का चीनी कब्जा खत्म होगा? भारत हिंदू राष्ट्र घोषित होगा? ज्ञानवापी और मथुरा की जन्मस्थली मुक्त हो जाएगी? मंदिर बनने लगेंगे? ताजमहल, कुतुब मीनार खोदे जाने लगेंगे?

जो हो, कथानक पुरानी स्क्रिप्ट, लाइन पर चलेगा। सबका साथ, सबका विकास जैसा कोई ट्विस्ट इसलिए संभव नहीं है कि जब आठ सालों में आर्थिकी को लगातार धकेले जाने की समझ उद्घाटित है तो न विकास संभव है, न स्वदेशी आत्मनिर्भरता संभव है। तय मानें अमीर और अमीर होंगे। अंबानी-अडानी का क्रोनी विस्तार वैश्विक नंबर एक खरबपति के स्थायी एवरेस्ट बनाए होगा। भारत के बीस घराने, आठ-दस कार्टेल 140 करोड़ लोगों की जेबों से लगातार मनमाने दाम वसूलते हुए होंगे। लोग पांच किलो फ्री राशन लेंगे और दो सौ रूपए किलो सरसों का तेल खरीद कर अंबानी-अडानी को विश्व कुबेर और भारत को विश्व गुरू बनाएंगे।

यही हिंदुओं का भविष्य है। नियति है। यह भी नियति है कि हिंदुओं की कानूनी जकड़नें बढ़ेंगी। ऐसे-ऐसे कानून बनेंगे, जिसमें हिंदुओं का सांस लेना, बोलना-लिखना-ज्ञान-सत्य जानना सब दुर्लभ। फिल्म के अगले पार्ट में महानायक अपनी सवर्ज्ञता, चुनाव में विजय के फूलते अहंकार में और नए कानून बनवाएंगे। ताकि ढोल बजना बढ़ता ही जाए। वोटों की भूख भी बढ़ेगी। सो, राजनीति गंदी होनी ही है। हिंदू बनाम मुसलमान ज्वालामुखी फूटना ही है। कई हिस्सों में कश्मीर घाटियां बनेंगी। लोकतंत्र और संस्थाएं अपने आप इसलिए कमजोर होती जाएंगी क्योंकि दो इंटरवल जितनी लंबी फिल्म के प्रभावों से भला कौन अछूता रह सकता है!

इसलिए सोचें, मोदी सरकार के आठवें साल के कार्यकाल में नया क्या था, या होता हुआ था जिसको जान कर रोजमर्रा के ढोल-नगाड़ों में वक्त जाया हो। अपन ने 13 प्रधानमंत्री देखे हैं। उनके आने-जाने, उनकी फिल्मों, उनके कथानकों और अंत परिणामों को बहुत करीब से देखा है। इसलिए हिंदुओं में जो छोड़े-बहुत सनातनी जीवन की बुद्धि, सत्यता की आस्था में जी रहे है उन सबसे अपना आग्रह है नगाड़ों की प्रायोजित हेडलाइंस, झूठी फिल्मों में दिमाग न खपाएं, बल्कि वैदिक ऋषि-मुनियों की परंपरा में धरा और उसके मनुष्यों की प्रकृति पर सोचें! सोचे, हम हिंदू ऐसे कैसे हो गए?

महिला का पर्स लूटने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बच्चे को ट्यूशन से लेने जा रही महिला से पर्स व मोबाइल लूटने वाले दोनों बदमाशो स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रप्रस्थ एन्कलेव नेहरू कालोनी निवासी धर्मपाल सिंह की पत्नी नीलम ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने बेटे को ट्यूशन से लेने के लिए रिंग रोड निर्वाचन आयोग के पास पैदल जा रही थी तभी दो लड़के एकदम से उसके पास स्कूटी से आये। दोनों ने स्कूटी से उतरकर उसके साथ धक्का मुक्की कर उसका पर्स व मोबाइल फोन लूट लिया। पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए क्षेत्र में सघन चैकिंग अभियान चलाया जिसके तहत पुलिस ने घटना के कुछ घंटे बाद ही लाडपुर जंगल सीक्यूआई तिराहे पर स्कूटी सवार दोनों बदमाशों को पकडकर उनके कब्जे से मोबाइल व पर्स बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम बॉबी पुत्र राजपाल निवासी अंबेडकर कालोनी रायपुर व राधेश्याम पुत्र धर्मवीर निवासी गोविन्दगए बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पेट्रोल पम्प कर्मचारी के साथ मारपीट

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार दो युवकों ने पेट्रोल पम्प कर्मचारी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धेश्वर मन्दिर मोथरोवाला के पास स्थित पेट्रोल पम्प के कर्मचारी नरेन्द्र सिंह बिष्ट ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह साढे पांच बजे दो लडके सफेद स्कूटी जूपिटर बिना नंबर प्लेट के पेट्राल पम्प पर आये उन्होने 50 रूपये का तेल भराया फिर काफी देर आपस में वार्तालाप कर रहे थे, फिर उन्होने उससे पानी के लिये पूछा उसने उन्हे बता कर ऑफिस के अन्दर आया। फिर उन्होंने उससे पेट्राल ब्लेक करने की डिमांड रखी उसने साफ इन्कार किया फिर उन्होने उसपर स्टील कि रोड से हमला किया और धमकी दी कि हम बताते हैं कि पेट्राल पम्प बंद कैसे कराते है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पानी की समस्या को लेकर ईई का घेराव किया

हल्द्वानी (आरएनएस)। हल्द्वानी में भीषण गर्मी में पानी की दिक्कतें दिनोदिन बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को तल्ली हल्द्वानी के लोगों ने पानी की समस्या को लेकर जल संस्थान पहुंचकर अधिशासी अभियंता का घेराव किया। पार्षद मनोज जोशी ने बताया कि अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं, पानी नहीं। कुमाऊं आयुक्त के कहने पर कुछ दिन पानी दिया, लेकिन फिर से स्थिति जस की तस हो गई है। इसके अलावा बरेली रोड वार्ड ५६ में भी यही स्थिति बनी हुई है। पार्षद जोशी ने कहा कि कुछ रोज पहले स्थानीय लोगों के साथ कुमाऊं आयुक्त के पास गए थे। उनके आदेश पर कुछ दिन तक पानी मिला, लेकिन अब फिर से वही स्थिति पैदा होने लगी है। भीषण गर्मी में लोगों को पानी के लिए दूर–दूर जाना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारी फील्ड में आकर काम करें तो पता चले कि लोगों को किस तरह मुश्किलों से गुजरना पड़ा रहा है। स्थानीय निवासी सोनी पलड़िया ने कहा कि संस्थान पानी का बिल तो समय पर लेता है, लेकिन पानी सुचारू रूप से नहीं दिया जा रहा है। चेतावनी दी कि यदि समय पर पानी नहीं दिया गया तो लोग प्रदर्शन को बाध्य होंगे। इसके अलावा फिर से कुमाऊं कमिश्नर से अधिकारियों की शिकायत करेंगे। इसके अलावा वार्ड ६० के पार्षद मनोज मठपाल और वार्ड ५६ के पार्षद रईस अहमद गुड्डू ने भी पानी के लिए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि पानी नहीं आने से उनके क्षेत्र में ३०० परिवारों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। वहीं अधिकारियों की मानें तो ट्यूबवेल का स्टेबलाइजर फुंक गया है, जिसे ठीक किया जा रहा है। इस दौरान जयश्री पलड़िया, ऋतु बख्शी, बसंती पांडे, मुन्नी, जानकी, पुष्कर, दीपक शर्मा मौजूद रहे।

सीएम धामी ने किया पीएम आवास योजना...

पृष्ठ 1 का शेष

निर्माण हो रहा है आज मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में होने वाले पांच सौ घरों के निर्माण का शिलान्यास किया है। इस अवसर पर उनके साथ क्षेत्रीय विधायक आदेश चौहान, सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक सहित अनेक लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर उन्होंने बीते कल देश में हुए उपद्रव के बारे में कहा कि जिन लोगों द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

कांग्रेस भवन में निर्जला एकादशी पर किया शरबत का वितरण

नगर संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सामने मीठे शरबत का वितरण किया।

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा नें महानगर कांग्रेस का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस पुनीत कार्य में शामिल होने का उन्हें मौका देकर उन्होंने पुण्य का भागी बनने का अवसर दिया है। इस दौरान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा नें कहा की गर्मी में पानी की सेवा से बड़ा कोई पर्व नहीं होता है। निर्जला एकादशी का इसमें विशेष महत्व माना गया है। इस दिन की सेवा करना सबसे पुनीत माना गया है।

एकादशी का व्रत भगवान विष्णु की आराधना को समर्पित होता है. इस दिन जल कलश, गाय का दान बहुत पुण्य देने वाला माना गया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी, प्रदेश प्रवक्ता दीप बोहरा, नागेश रतूड़ी, प्रियांश छाबड़ा, राजेश कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

बन्द होटल से सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने चार साल से बन्द होटल का ताला तोडकर वहां से हजारों रूपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोचर कालोनी जाखन निवासी सोहन लाल बजाज ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका होटल राजपुर रोड किशपुर चूंगी के पास है जो कि 4 साल से बंद पडा है। चोरों ने होटल का ताला तोडकर वहां से आग बुझाने की सिलेण्डर, एम.सी.वी, जाली पाईप, नलके एसी कन्डेसर, मेन होल के डक्कन, तारे, गैस के बरनल, नोजल आदि काफी सामान चोरी कर लिये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एयर टिकटिंग में सेलेक्शन के नाम पर ठगे 50 हजार

संवाददाता

देहरादून। एयर टिकटिंग में सेलेक्शन के नाम पर 50 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलकनन्दा एन्क्लेव जोगीवाला निवासी रितिका राय ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति तपिन रय के मोबाईल नम्बर पर एक कॉल आयी तथा स्वयं को इंडिया जॉब पोर्टल डाट कॉम का कर्मचारी बताया तथा बताया गया कि श्री तपिन रय को एयर टिकटिंग जौली ग्रान्ट तथा ग्राउण्ड स्टफ इण्डिगो एयरलाईन हेतु चयन किया गया है तथा बाद में स्वयं ही कहा कि तपिन राय को एयर टिकटिंग हेतु सेलेक्ट कर लिया है तथा आपको उपरोक्त सेलेक्शन के रजिस्ट्रेशन हेतु 1850 रूपये देने होंगे। उसने वह रूपये मोबाइल एप के माध्यम से भेज दिये। जिसके बाद विन्नी शर्मा नामक महिला का फोन आया और उसने तपिन राय के दस्तावेज मांगे जोकि उसने उनको व्हटसएप के द्वारा भेज दिये। उसके बाद उक्त लोगों द्वारा कई तरह की ओपचारिकाएं पूरी करने के नाम पर समय-समय पर रूपये मांगे जोकि पूरे 50 हजार रूपये उनसे ले लिये लेकिन अब फिर रूपयो की मांग कर रहे है। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त लोगों ने उनके साथ धोखाधडी कर रूपयें ऐंठ लिये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने रजनी रावत के खिलाफ दी तहरीर

संवाददाता

देहरादून। आल इण्डिया मजलिस एतहादुल मुस्लिमीन के कार्यकर्ताओं ने शहर कोतवाली में भाजपा कार्यकर्ता रजनी रावत के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच कर शुरू कर दी।

आज यहां आल इण्डिया मजलिस एतहादुल मुस्लिमीन के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता विनोद कुमार के नेतृत्व में शहर कोतवाली पहुचे जहां पर पार्टी कार्यकर्ता प्रकाशनगर गोविन्द गढ निवासी नसीम अहमद ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें उसने कहा कि सोशल मीडिया पर एक विडियों देखी गयी जिसमें किन्नर रजनी रावत बीजेपी कार्यकर्ता निवासी चुक्खुवाला ने मुस्लिम समाज के लोगों को गाली-गलौच की व अभद्र टिप्पणी की जिससे उक्त विडियो को लेकर देहरादून शहर व उत्तराखण्ड में मुस्लिम समाज के लोगों में रोष है तथा मुस्लिम समाज उक्त विडियों से दुखी व आहत है। उसने कहा कि विडियो रजनी रावत द्वारा भाजपा व आरएसएस के इशारे पर बनायी गयी व सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी जिससे उत्तराखण्ड का सौहादपूर्ण माहौल खराब हो सकता है। उन्होंने मांग की है कि उक्त विडियों की जांच कर रजनी रावत के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाये।

इस अवसर पर इम्तियाज अहमद नेता ,नसीम खान,रिजवान खान, मोहम्मद आसिफ,समीम अहमद,उस्मान थानवी, मौलाना अय्यूब काजमी,ताहीन, इंतजार मालिक,आजाद अली, कारी इस्माल, जराफत कुरैसी,मोहम्मद फैजल, मोहम्मद अब्दुल,राहुल गुप्ता,आर्यन प्रधान,सौरभ सिंह, कुलदीप गौसाई,अजय वर्मा आदि मौजूद थे।

एक नजर

16 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद ने जीता नार्वे शतरंज ओपन का खिताब

स्टैवैंगनर। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर (जीएम) आर प्रज्ञानानंद नार्वे शतरंज ग्रुप ए ओपन शतरंज टूर्नामेंट के नौ दौर के मुकाबले में ७.५ अंकों के साथ विजेता बने। शीर्ष वरीयता प्राप्त १६ वर्षीय जीएम ने शानदार लय को जारी रखते हुए पूरे टूर्नामेंट के दौरान अजेय रहे। उन्होंने शुक्रवार की देर रात साथी भारतीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर (आईएम) वी प्रणीत पर जीत के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। प्रज्ञानानंद (ईएलओ २६४२) दूसरे स्थान पर काबिज आईएम मार्सेल एफ्रोइम्स्की (इजराइल) और आईएम जंग मिन सेओ (स्वीडन) से एक अंक आगे रहे। प्रणीत छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर थे, लेकिन कम टाई–ब्रेक स्कोर के कारण आखिरी तालिका में छठे स्थान पर खिसक गये। प्रणीत के अलावा प्रज्ञानानंद ने विक्टर मिखलेव्स्की (आठवां दौर), विटाली कुनिन (छठा दौर), मुखमदजोखिद सुयारोव (चौथा दौर), सेमेन मुतुसोव (दूसरा दौर) और माथियास उननेलैंड (पहला दौर) को शिकस्त दी। उन्होंने अपने अन्य तीन मुकाबले ड्रॉ खेले।

बारामूला में दो आतंकी गिरफ्तार, 2 पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस बरामद

जम्मू । जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर–बारामूला राजमार्ग पर आईईडी बरामद होने के बाद सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। बारामूला से गिरफ्तार हुए इन दो आतंकियों के पास से २ पिस्टल, १८ जिंदा कारतूस और ३ मैगजीन पिस्टल बरामद हुई हैं। बारामूला एसएसपी रईस एम भट ने बताया कि लश्कर–ए–तैयबा के २ हालिया सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। इनके पास से २ पिस्टल, १८ जिंदा राउंड, ३ मैगजीन की पिस्टल बरामद हुई हैं। इसके साथ ही हमने उन्हें स्थानीय नेताओं, अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हमले करने से रोक लिया। जांच में हमने पाया है कि हैंडलर न केवल उत्तर में बल्कि दक्षिण कश्मीर में भी सक्रिय हैं। वहीं इससे पहले आज ही सुरक्षाबलों ने श्रीनगर–बारामूला राजमार्ग से आईईडी बरामद किया। हाईवे के संग्रामा खंड में एक संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद यातायात को निलंबित कर दिया गया। आईईडी को निष्क्रिय करने के प्रयास जारी हैं। इसके अलावा कुलगाम में सुरक्षा बलों ने आतंकियों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी को ढेर कर दिया।

कानपुर हिंसाः मुख्य आरोपी के करीबी के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पिछले शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा मामले के मुख्य आरोपी हयात जफर हाशमी के एक करीबी रिश्तेदार मो. इश्तियाक की एक इमारत के अवैध निर्माण पर शनिवार को सुबह बुलडोजर से हटाने की कार्रवाई शुरु की गई। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की ओर से शहर के बेना झाबर इलाके में स्थित इश्तियाक की इमारत के अतिक्रमण वाले हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई की गई। केडीए के सचिव शत्रुघ्न वैश्य ने बताया कि, बिल्डर कारोबारी इश्तियाक की इस इमारत में हुए अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को हटाने का नोटिस पहले कई बार दिया गया। नोटिस पर अमल नहीं होने के बाद प्राधिकरण ने शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। समझा जाता है कि इश्तियाक, कानपुर हिंसा मामले के मुख्य आरोपी का करीबी रिश्तेदार है। कानपुर के किसी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इश्तियाक का बेकन गंज हिंसा मामले से कोई संबंध है या नहीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि, इश्तियाक की इमारत को अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान को पूरा कराने के लिये केडीए के अनुरोध पर कार्रवाई के दौरान पीएसी और आरएएफ की एक–एक कंपनी तथा कई थानों की पुलिस टीमों को तैनात किया गया है। इमारत के अतिक्रमण वाले हिस्सों को तोड़ने के लिए चार बुलडोजर तथा कई मजदूर लगाए गए हैं।

पासिंग आउट परेड के बाद भारतीय सेना को मिले 288 सैन्य अधिकारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) से पास आउट होकर 288 जांबाज आज भारतीय सेना में शामिल हो गये। जबकि मित्र देशों के 89 कैडेट भी सैन्य अफसर बने।

भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) में आज भव्य पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ ले. जनरल अमरदीप सिंह भिंडर बतौर रिव्यूइंग आफिसर परेड में पहुंचे। सुबह 6 बजकर 40 मिनट पर मार्कर्स काल के साथ परेड शुरू हुई। कंपनी सार्जेंट मेजर विवेक कुमार, प्रणव, आर्यन सिंह, हिमांशु कुमार, जयेंद्र सिंह व अनिकेत ने ड्रिल स्क्वायर पर अपनी–अपनी जगह ली। 6 बजकर 45 मिनट पर एडवांस काल के साथ ही छाती ताने देश के भावी कर्णधार कदम बढ़ाते हुए परेड के लिए पहुंचे। निरीक्षण अधिकारी दक्षिण पश्चिमी कमान के कमांडर (जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ) लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर परेड स्थल पर पहुंचे और परेड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण अधिकारी ने कैडेट्स को ओवरआल बेस्ट परफॉर्मेंस और अन्य उत्कृष्ट सम्मान से नवाजा गया। समस्तीपुर (बिहार) के मौसम वत्स को स्वार्ड आफ आनर से नवाजा गया, जबकि ऊधमसिंहनगर उत्तराखंड के नीरज सिंह पपोला को स्वर्ण, मौसम वत्स को रजत व मंडी हिमाचल प्रदेश के केतन पटियाल को कांस्य पदक मिला। दक्षिण दिल्ली के दिगांत गर्ग ने सिल्वर मेडल (टीजी) हासिल किया। भूटान के तेनजिन नामगे सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट चुने गए।

पासिंग आउट परेड में हिस्सा लेने वालों में उत्तर प्रदेश से 50, उत्तराखण्ड से 33, बिहार से 28 हरियाणा से 25, महाराष्ट्र से 22, पंजाब से 21, राजस्थान से 20, दिल्ली से 15, हिमाचल प्रदेश से 13, केरल से 9, मध्य प्रदेश से 8, तेलांगना व जम्मू कश्मीर से 6-6, तमिलनाडू और पश्चिमी बंगाल से 5-5, कर्नाटक से 4, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और त्रिपुरा से दो-दो, अरूणाचल, असम, छतीसगढ़, मणिपुर, सिक्कम और झारखण्ड से एक-एक व नेपाली मूल (भारतीय सेना) से छह कैडेट सहित मित्र देशों के 89 कैडेट शामिल रहे।

दोस्तों ने ही उतारा छात्र को मौत के घाट, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पॉलिटेक्निक के एक छात्र पर उसके ही दोस्तों ने धारदार हथियार से हमला कर उसे मौत की नींद सुला दिया। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। मृतक के हाथ व पैर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को नामजद करते हुए एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गयी है।

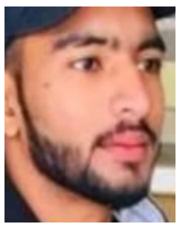

जानकारी के अनुसार हेमपुर इस्माइल बाजपुर रोड थाना आईटीआई निवासी 21 वर्षीय योगेंद्र चौधरी उर्फ मोनू पुत्र वीर सिंह मेकेनिकल से पॉलिटेक्निक का छात्र था। बताया जा रहा है कि लगभग एक वर्ष पूर्व पड़ोस में रहने वाले मनीष सैनी, मोहन सैनी, बलवंत सिंह व हरनेग से उसका किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसमें से हरनेग को बीते विधानसभा चुनाव के दौरान काशीपुर पुलिस ने किसी मामले में जेल भेज दिया था। जमानत पर छूटकर आने के बाद हरनेग का आरोप था कि उसे योगेंद्र ने जेल भिजवाया था तथा उसने योगेंद्र को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

बताया जा रहा है कि बीती शाम हरनेग, मनीष सैनी तथा मोनू नामक युवक योगेंद्र को घर से बहाने से बुलाकर ले गए और बहल्ला पुल के समीप धारदार हथियार, लोहे की रॉड, लाठी-डंडों से उसकी बुरी तरह पिटाई करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया। मामले की जानकारी पुलिस को मिली तो पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेते हुए पीड़ित परिवार की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गयी है।

- साथी को चाकू मारने का प्रकरण -

पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया

संवाददाता

देहरादून। साथी को चाकू मारकर गम्भीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने घायल की पत्नी की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस प्रेमनगर क्षेत्र के स्मिथनगर में बॉबी सूद को उसके ही साथियों द्वारा चाकू मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया था। देर रात घायल की पत्नी नीलम सूद ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि दोपहर डेढ बजे अरुण कुमार उर्फ डी०के० अपने साथियो दीपू, विक्रम कट्टर, व भुप्पी के साथ मे मिलकर उसके पति बाबी सूद को स्मिथनगर चौक पर मारा पीटा और जान से मारने की नीयत से उसके गले मे धारदार हथियार से वार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। उसके पति को एक ई रिक्शा चालक द्वारा अधमरी अवस्था मे घर लाया गया और वह अपने पति बाबी सूद को तुरन्त प्रेमनगर सरकारी अस्पताल ले गई जहाँ पर डाक्टर द्वारा उन्हे हाई सेन्टर रेफर कर दिया गया। वह अपने पति को लेकर दून अस्पताल पहुँची। वहाँ पर डक्टर ने उसके पति के गले का आपरेशन कर दिया। उनकी हालत काफी खराब है यह बाते उसको उसके पति द्वारा स्वय बताई थी। पुलिस ने चारो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर अरूण कुमार उर्फ डीके पुत्र तिलकराज निवासी स्मिथनगर, प्रदीप सिंह उर्फ दीपू पुत्र बलवंत सिंह निवासी प्रेमनगर व विक्रम सिंह बिष्ट उर्फ कटटर पुत्र ज्ञान सिंह निवासी शिवपुरी कालोनी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि भुप्पी पुलिस के हाथ नहीं लगा।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।